PRINCE ACADEMY
OF HIGHER EDUCATION
[Co-edu. Sr. Sec. School, Affiliated to CBSE, Affiliation No. - 1730387]

Palwas Road, Near Jaipur - Bikaner Bypass Crossing, SIKAR - 332001 (Raj.) INDIA
Mob. : 9610-75-2222, 9610-76-2222
www.princeeduhub.com | E-mail : princeacademy31@gmail.com

BOARD SAMPLE PAPER - I (2025-26)

TIME : 3:00 Hours | **SUBJECT : HINDI** **CLASS - XII** | **M.M. : 80**

(खण्ड –अ)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 10

दबाव में काम करना व्यक्ति के लिए अच्छा है या नहीं, इस बात पर प्रायः बहस होती है। कहा जाता है कि व्यक्ति अत्यधिक दबाव में नकारात्मक भावों को अपने ऊपर हावी कर लेता है, जिससे उसे अक्सर कार्य में असफलता प्राप्त होती है। वह अपना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी खो बैठता है। दबाव को यदि ताकत बना लिया जाए, तो न सिर्फ सफलता प्राप्त होती है, बल्कि व्यक्ति कामयाबी के नए मापदंड रचता है। ऐसे बहुत सारे उदाहरण हैं जब लोगों ने अपने काम के दबाव को अवरोध नहीं, बल्कि ताकत बना लिया। 'सुख–दुख, सफलता–असफलता, शान्ति–क्रोध और क्रिया–कर्म हमारे दृष्टिकोण पर ही निर्भर करता है।' जोस सिल्वा इस बात से सहमत होते हुए अपनी पुस्तक 'यू द हीलर' में लिखते हैं। कि मन–मस्तिष्क को चलाता है। और मस्तिष्क शरीर को। इस तरह शरीर को। इस तरह शरीर मन के आदेश का पालन करता हुआ काम करता है।

दबाव में व्यक्ति यदि सकारात्मक होकर काम करें, तो वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब होता है। दबाव के समय मौजूद समस्या पर ध्यान केंद्रित करने और बोझ महसूस करने की बजाय यदि यह सोचा जाए कि हम अत्यंत सौभाग्यशाली हैं, जो एक कठिन चुनौती को पूरा करने के लिए तत्पर हैं, तो हमारी बेहतरीन क्षमताएँ स्वयं जागृत हो उठती हैं। हमारा दिमाग जिस चीज पर भी अपना ध्यान केंद्रित करने लगता हैं, वह हमें बढ़ती प्रतीत होती है। यदि हम अपनी समस्याओं के बारे में सोचेंगे, तो वे और बड़ी होती महसूस होंगी। अगर अपनी शक्तियों पर ध्यान केंद्रीत करेंगे, तो वे भी बड़ी महसूस होंगी। इस बात को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि जीतना एक आदत है, पर अफसोस ! हारना भी आदत ही है।

(i) दबाव में काम करते समय किस चीज पर ध्यान केंद्रित करने से व्यक्ति अपनी बेहतरीन क्षमताओं को जागृत कर सकता है? 1

(अ) समस्याओं पर (ब) दबाव पर
(स) बोझ पर (द) चुनौती को पूरा करने पर

(ii) जोस सिल्वा की पुस्तक का नाम क्या है? 1

(अ) 'यू द हीलर' (ब) 'द पावर ऑफ माइंड'
(स) 'मांइड कंट्रोल' (द) 'सक्सेस मंत्रा'

(iii) दबाव को ताकत में बदलने पर क्या परिणाम प्राप्त होता है? 1

(अ) मानसिक तनाव बढ़ता है (ब) स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है
(स) व्यक्ति असफल होता है (द) व्यक्ति कामयाबी के नए मापदंड रचता है

(iv) दबाव में व्यक्ति नकारात्मक होकर क्या खो देता है? 1

(v) दबाव को ताकत बनाने के लिए व्यक्ति को किस दृष्टिकोण को अपनाना चाहिए? 2

(vi) जोस सिल्वा के अनुसार मन–मस्तिष्क और शरीर के बीच क्या संबंध है? 2

(vii) गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए तथा उस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 2

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 8

यादें होती हैं गहरी नदी में उठी भँवर की तरह
नसों में उतरती कड़वी दवा की तरह
या खुद के भीतर छिपे बैठे साँप की तरह
जो औचक्के में देख लिया करता है
यादें होती हैं जानलेवा खुशबू की तरह
प्राणों के स्थान पर बैठे जानी दुश्मन की तरह
शरीर में धंसे उस काँच की तरह
जो कभी नहीं दिखता
पर जब–तब अपनी सत्ता का
भरपूर एहसास दिलाता रहता है
यादों पर कुछ भी कहना
खुद को कठघरे में खड़ा करना है
पर कहना मेरी मजबूरी है।

(i) कविता में 'यादें होती हैं गहरी नदी में उठी भँवर की तरह' से क्या दर्शाया गया है? 1

(अ) यादों की अस्थिरता (ब) यादों की गहराई (स) यादों की स्थिरता (द) यादों की मिठास

(ii) कविता में 'काँच की तरह' से यादों का क्या स्वरूप बताया गया है? 1

(अ) स्पष्ट और चमकदार (ब) खतरनाक और अस्पष्ट
(स) अदृश्य लेकिन महसूस करने योग्य (द) सुंदर और आकर्षक

(iii) 'यादों पर कुछ भी कहना खुद को कठघरे में खड़ा करना है' का क्या अर्थ है? 1

(अ) यादें कभी भी आसानी से बयां नहीं की जा सकतीं
(ब) यादों का विवरण व्यक्तिगत आलोचना को आमंत्रित करता है
(स) यादें हमेशा सकारात्मक होती हैं
(द) यादें केवल खुशियों की होती हैं

(iv) कविता में 'जानलेवा खुशबू' से यादों का क्या संकेत मिलता है? 1

(v) कविता में 'नसों में उतरती कड़वी दवा' और 'शरीर में धंसे उस काँच' के माध्यम से यादों के किस गुण का वर्णन किया गया है? 2

(vi) कविता के अनुसार, यादों पर कुछ भी कहना क्यों लेखक की मजबूरी है? 2

(खण्ड–ख)

3. दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए। 6

(क) मनुष्य और परोपकार विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए
(ख) तकनीकी विकास विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए।
(ग) खेल में मेरी रूचि विषय पर रचनात्मक लेखिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (किन्हीं चार) 2×4=8

(क) पेज थ्री पत्रकारिता क्या है?
(ख) बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए।
(ग) संपादकीय का महत्त्व समझाइए।
(घ) नाटक की भाषा–शैली कैसी होनी चाहिए?
(च) डेड लाइन से आप क्या समझते हैं?

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये: 4×2=8

(क) विशेष लेखन के पाठकों की विशेषता लिखिए?
(ख) समाचार लेखन के छह ककारों का उल्लेख करते हुए बताइए कि समाचार के मुखड़े में कौन–से ककारों को शामिल किया जाता है।
(ग) फीचर लेखन और समाचार लेखन की शैली में क्या अंतर है? किन्हीं तीन बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए।

(खण्ड– ग)

6. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए। 1×5=5

तब प्रताप उर राखि प्रभु जैहऊँ नाथ तुरंत।
अस कहि आयसु पाई पद बंदि चलेउ हनुमंत।।
भरत बाहु बल सील गुन प्रभु पद प्रीति अपार।
मन महुँ जात सराहत पुनि पुनि पवन कुमार।।

(i) 'मन महुँ जात सराहत पुनि पुनि पवन कुमार' पंक्ति में किसके प्रति भक्ति–भावना का भाव है?

(अ) भरत के प्रति (ब) राम के प्रति (स) लक्ष्मण के प्रति (द) शत्रुघ्न के प्रति

(ii) प्रस्तुत पद्यांश के अनुसार हनुमान जी भरत के किन गुणों से प्रभावित हुए?

(अ) भरत की निष्क्रियता (ब) भरत की राज्य के प्रति सेवा भावना
(स) भरत के बाहुबल व शील गुण (द) ये सभी

(iii) हनुमान जी क्या ह्रदय में रखकर तुरंत स्वामी के पास जाने की बात कह रहे हैं?

(अ) राम का यश (ब) भरत का यश (स) स्वयं की वीरता (द) राम के प्रति भक्ति

(iv) कथन (A) हनुमान जी आज्ञा पाकर भरत के चरणों की वंदना करके चले गए।
कारण (R) हनुमान जी को अत्यधिक थकावट लग रही थी।
कूट
(अ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।
(ब) कथन (A) गलत हैं, किंतु कारण (R) सही है।
(स) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(द) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(v) कवि द्वारा 'भरत बाहु बल सील गुन प्रभु पद प्रीति अपार' कहना प्रतिपादित करता है कि हनुमान
(अ) भरत के गुणों व राम के प्रति उनकी अपार भक्ति की प्रशंसा कर रहे है।
(ब) भरत के चरणों की वंदना कर रहे हैं।
(स) भरत के भ्रात प्रेम की प्रशंसा कर रहे हैं।
(द) भरत की कर्त्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा कर रहे हैं।

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजियेः 3×2=6

(क) कवि उमाशंकर जोशी को खेत का रूपक अपनाने की जरूरत क्यों पड़ी?
(ख) तुलसीदास के सवैया के आधार पर प्रतिपादित कीजिए कि उन्हें भी जातीय भेदभाव का दबाव झेलना पड़ा था।
(ग) बालक द्वारा चाँद माँगने की जिद पर माँ क्या करती है? 'रूबाइयाँ' शीर्षक के आधार पर अपने शब्दों में उत्तर दीजिए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजियेः 2×2=4

(क) 'बादल राग' कविता में कवि ने अट्टालिका को 'आतंक–भवन' क्यों कहा हैं?
(ख) कविता के किन उपमानों को देखकर कहा जा सकता है कि 'उषा' कविता गाँप की सुबह का गतिशील शब्दचित्र है?
(ग) अस्थिर सुख पर दुख की छाया पंक्ति में दुख की छाया किसे कहा गया है और क्यों? बादल राग कविता के आधार पर बताइए।

9. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये – 5×1=5

यह विडंबना की ही बात है, कि इस युग में भी 'जातिवाद' के पोषकों की कमी नहीं है। इसके पोषक कई आधारों पर इसका समर्थन करते हैं। समर्थन का एक आधार यह कहा जाता हैं, कि आधुनिक सभ्य समाज 'कार्य–कुशलता' के लिए श्रम विभाजन को आवश्यक मानता है और चूँकि जाति–प्रथा भी श्रम विभाजन का ही दूसरा रूप है इसलिए इसमें कोई बुराई नहीं है। इस तर्क के संबंध में पहली बात तो यही आपत्तिजनक है, कि जाति–प्रथा श्रम विभाजन के साथ–साथ श्रमिक–विभाजन का भी रूप लिए हुए है। श्रम विभाजन, निश्चय ही सभ्य समाज की आवश्यकता है, परंतु किसी भी सभ्य समाज में श्रम विभाजन की व्यवस्था श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में अस्वाभविक विभाजन नहीं करती। भारत की जाति–प्रथा की एक और विशेषता यह है कि यह श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन ही नहीं करती, बल्कि विभाजित

विभिन्न वर्गों को एक–दूसरे की अपेक्षा ऊँच–नीच भी करार देती है, जोकि विश्व के किसी भी समाज में नहीं पाया जाता।

(i) जातिवाद के पोषकों द्वारा श्रम–विभाजन किसका दूसरा रूप माना जाता है?

(अ) बाल विवाह प्रथा का (ब) जाति–प्रथा का

(स) मजदूरी प्रथा का (द) समरसता का

(ii) कौन–सा समाज कार्य–कुशलता के लिए श्रम विभाजन को आवश्यक मानता है?

(अ) सभ्य सनातनी समाज (ब) आदि मानव समाज

(स) असभ्य समाज (द) सभ्य आधुनिक समाज

(iii) भारत की जाति–प्रथा की क्या विशेषता बताई गई है?

1. यह श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन करती है
2. विभाजित विभिन्न वर्गों को एक–दूसरे को ऊँच–नीच बताना
3. (i) और (ii) दोनों
4. सभी को समान अधिकार देना

(अ) विकल्प (iv) (ब) विकल्प (ii) (स) विकल्प (i) (द) विकल्प (iii)

(iv) गद्यांश में आए विडंबना शब्द से क्या अभिप्राय है?

(अ) गंभीरता (ब) अपेक्षा (स) आडम्बर (द) उपहास

(v) गद्यांश के अनुसार कोई भी सभ्य समाज क्या नहीं करता है?

(अ) कट्टर नियमों और सिद्धांतों का पालन करना

(ब) श्रमिकों का विभिन्न श्रेणियों में अस्वाभाविक विभाजन

(स) सभी विकल्प सही हैं

(द) सभी को रोजगार के अवसर प्रदान करना

10. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर लिखिए। 3×2=6

(क) जाति–प्रथा आर्थिक विकास के लिए हानिकारक कैसे है? जाति–प्रथा और श्रम विभाजन पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) शिरीष के माध्यम से लेखक ने कोलाहाल तथा संधर्ष में अविचल रहकर जिजीवषु बने रहने की प्रेरणा दी है। कैसे? स्पष्ट कीजिए।

(ग) कोमल और कठोर दोनों भाव किस प्रकार गांधीजी के व्यक्तित्व की विशेषता बन गए। शिरीष के फूल पाठ के आधार बताइए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए। 2×2=4

(क) शिरिष के फूल पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक के मत तथा पुराने कवियों के मतों में क्या अंतर हैं?

(ख) 'श्रम विभाजन और जाति–प्रथा' पाठ के आधार पर बताइए कि जाति–प्रथा के पोषक लोग क्या स्वीकार करने को तैयार हैं?

(ग) लेखक भीमराव आंबेडकर के मत से दासता की व्यापक परिभाषा क्या है?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये 5×2=10

(क) सिल्वर वैडिंग वर्तमान युग में बदलते जीवन–मूल्यों की कहानी है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ख) जूझ कहानी प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच संघर्ष की कहानी है। सिद्ध कीजिए।

(ग) 'जूझ' कहानी के लेखक के जीवन–संघर्ष के उन बिंदुओं पर प्रकाश डालिए, जो हमारे लिए प्ररेणादायक हैं।